University in News on 29 May 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

डॉ. कल्पना बार्सिलोना में देंगी व्याख्यान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग की डॉ. कल्पना सिंह को स्पेन के बार्सिलोना में इंटरनेशनल कनेक्ट ऑन ट्रेडिशनल एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। वे 24-26 फरवरी, 2025 को अपना व्याख्यान देंगी। डॉ. कल्पना सिंह के व्याख्यान का विषय होगा स्वास्थ्य और कल्याण पर भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रभाव। इसमें वे उपचार और कल्याण में भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रभाव और प्राचीन राग चिकित्सा को आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ जोड़कर अपने विचार रखेंगी। यह कनेक्ट वैकल्पिक चिकित्सा चर्चाओं का एक वैश्विक फोरम है। इसमें दुनिया भर के विशेषज्ञ और चिकित्सक समग्र स्वास्थ्य देखभाल के भविष्य को आकार देने के लिए एकजुट होंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से बड़े मंगल के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया।

JAGRAN CITY PAGE III

परीक्षा केंद्र में बदलाव

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बी.एससी और एम.एससी एग्रीकल्चर परीक्षा केंद्रों की सूची में से एक केंद्र बदलते हुए अपडेट सूची वेबसाइट पर सोमवार को अपलोड कर दी। पहले सूची में राजकुमार महिला महाविद्यालय पलिया लखीमपुर खीरी को केंद्र और नोडल केंद्र में शामिल किया गया था। अब उसकी जगह स्मृति महाविद्यालय प्रीतमपुर लखीमपुर खीरी को केंद्र और नोडल केंद्र बनाया गया है। (जास)

लखनऊ विश्वविद्यालय के पास भंडारे में उमड़ी भीड़ ● जागरण

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

'भगवद गीता' मानव मन, व्यवहार के बारे में गहरी देती है अंतर्दृष्टि

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ.अर्चना शुक्ला के नेतृत्व में यूजीसी नेट कार्यशाला के छठवें दिन असम डाउन टाउन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम से क्लिनिकल साइकोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, सत्र वक्ता के रूप में शामिल हुए। उनका विषय था भगवद गीता,योग भारतीय परिप्रेक्ष्य में मनोवैज्ञानिक विचार। उन्होंने यह कहते हुए अपने सत्र की शुरुआत की कि 'भगवद गीता' मानव मन और व्यवहार के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर अर्जुन की दुविधा और नैतिक संघर्ष का उपयोग करते हुए समझाया कि कैसे गीता उद्देश्य और कर्तव्य जैसे सार्वभौमिक संघर्षों को संबोधित करती है। कृष्ण का मार्गदर्शन मन की जटिलताओं को सुलझाने के लिए एक मैनुअल प्रदान करता है। भारतीय मनोवैज्ञानिक विचार की मूल अवधारणाएं अर्थात आत्मा-ब्रह्म, धर्म,कर्म और मोक्ष भी उन्होंने सत्र में प्रस्तुत किए। व्याख्यान में आत्म-नियंत्रण, इच्छाओं को प्रबंधित करने, आंतरिक शांति और प्रतिरोधक्षमता के लिए अपनी भूमिका या धर्म को पूरा करने के महत्व को भी बताया गया। अंत में उन्होंने कर्म, भक्ति, ज्ञान और राज योग सहित आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण के लिए गीता के मार्गों के बारे में बात की। ये मार्ग मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक स्थिरता और नैतिक अखंडता प्रदान करते हैं। प्रो.मधुरिमा प्रधान, पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग और संस्थापक-निदेशक, हैप्पी थिंकिंग लैब, लविवि ने दिन का दूसरा व्याख्यान भारतीय मनोविज्ञान प्रतिमान और उसके निहितार्थ विषय पर दिया। उन्होंने भारतीय मनोविज्ञान की विशेषताओं और शिक्षा, स्वास्थ्य, पारस्परिक संबंधों और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर इसके प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि जब वैज्ञानिक अनुसंधान के नतीजे प्रचलित विचारधाराओं को चुनौती देते हैं,तो प्रतिमान बदल जाते हैं और ये परिवर्तन विकास के लिए कैसे आवश्यक हैं। मनोविज्ञान में एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने बताया कि भारतीय मनोविज्ञान व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याओं का समाधान कैसे कर सकता है। आत्म-जागरूकता और कल्याण पर इसका ध्यान पश्चिमी मनोविज्ञान की पेशकश से कहीं आगे जाता है,जिसमें जीवन में अर्थ ढूंढना और पीड़ा से निपटना शामिल है। भारतीय मनोविज्ञान उन प्रचलित अनुत्तरित प्रश्नों जैसे मैं कौन हूं का उत्तर देता प्रतीत होता है। इस संपूर्ण ब्रह्मांड से मेरा क्या संबंध है कोई व्यक्ति अपने कष्टों और दुखों का सामना करके सकारात्मक, आनंदमय और शांतिपूर्ण जीवन कैसे जी सकता है? मन, मस्तिष्क और चेतना के बीच अंतर को समझकर, व्यक्ति अधिक जागरूकता और संतुष्टि प्राप्त कर सकते हैं। प्रो.प्रधान ने ऐसे प्रश्नों पर प्रकाश डालकर और दैनिक जीवन में भारतीय मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने सत्र का समापन किया। सत्र की शुरुआत मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ.हंसिका सिंघल द्वारा दोनों वक्ताओं के परिचय के साथ हुई थी। इसी प्रकार मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ.मेघा सिंह की ओर से आभार व्यक्त कर सत्र का समापन किया गया। उन्होंने कार्यशाला में वक्ताओं के योगदान के प्रतीक के रूप में उन्हें प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए।

डॉ. कल्पना अंतर्राष्ट्रीय बार्सिलोना सम्मेलन में आमंत्रित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग से डॉ.कल्पना सिंह को 24-26 फरवरी, 2025 तक बार्सिलोना, स्पेन में आगामी इंटरनेशनल कनेक्ट ऑन ट्रेडिशनल एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में प्लेनरी वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। स्वास्थ्य और कल्याण पर भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रभाव विषय पर डॉ.कल्पना सिंह की बातचीत, उपचार और कल्याण में भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रभावकारिता की पड़ताल करती है, जो प्राचीन राग चिकित्सा को आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ जोड़ती है। कनेक्ट, वैकल्पिक चिकित्सा चर्चाओं का एक वैश्विक फोरम है। यह निमंत्रण मुख्यधारा की स्वास्थ्य देखभाल में संगीत चिकित्सा जैसी वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालता है। यह कनेक्ट विचारों के एक गतिशील आदान-प्रदान की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जिसमें दुनिया भर के विशेषज्ञ और चिकित्सक समग्र स्वास्थ्य देखभाल के भविष्य को आकार देने के लिए एकजुट होंगे।

PIONEER PAGE 4

एलयू की डॉ. कल्पना सिंह बार्सिलोना सम्मेलन में आमंत्रित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग से डॉ. कल्पना सिंह को 24-26 फरवरी, 2025 तक बार्सिलोना, स्पेन में आगामी इंटरनेशनल कनेक्ट ऑन ट्रेडिशनल एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में प्लेनरी वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।

कनेक्ट, वैकल्पिक चिकित्सा चर्चाओं का एक वैश्विक फोरम है। यह निमंत्रण मुख्यधारा की स्वास्थ्य देखभाल में संगीत चिकित्सा जैसी वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालता है। यह कनेक्ट विचारों के एक गतिशील आदान-प्रदान की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जिसमें दुनिया भर के विशेषज्ञ और चिकित्सक समग्र स्वास्थ्य देखभाल के भविष्य को आकार देने के लिए एकजुट होंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

छात्रों ने तैयार किया वायरलेस चार्जिंग मॉडल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ इस उपकरण की मदद से फोन पर चार्जिंग का पता लगा सकेंगे उपभोक्ता

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने ऐसा मॉडल तैयार किया है जो बिना तार के ही इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज कर सकेगा। ये उपकरण ब्लूटूथ तकनीक पर आधारित है। इस मॉडल की मदद से फोन का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ता चार्जिंग का पता बड़ी आसानी से लगा सकेंगे।

विवि के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग के उत्कर्ष मिश्रा, प्रशांत पंडित और अजिता ने इस मॉडल को तैयार किया है। अजिता का कहना है कि ब्लूटूथ की मदद से ये उपकरण मोबाइल से कनेक्ट होकर चार्जिंग की व्यवस्था को आसानी से बता देगा। तैयार किए गए मॉडल में शामिल टीम का नेतृत्व शिक्षक डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. आनंद रंजन, अवनीश और सुशील ने किया है।

उत्कर्ष ने बताया कि यह मॉडल आधुनिक विज्ञान और विकसित भारत को एक नए पावदान तक ले जाएगा। इस उपकरण की मदद से इलेक्ट्रिक गाड़ियों को आसानी से चार्ज किया जा सकेगा।

लविवि: यूजीसी नेट कार्यशाला आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. अर्चना शुक्ला के नेतृत्व में यूजीसी नेट कार्यशाला के छठे दिन असम डाउन टाउन यूनिवर्सिटी से क्लिनिकल साइकोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव सत्र वक्ता के रूप में शामिल हुए। भगवद गीता, योग (भारतीय परिप्रेक्ष्य में मनोवैज्ञानिक विचार) विषय पर उन्होंने छात्रों को विस्तार से जानकारी दी। व्याख्यान में आत्म-नियंत्रण, इच्छाओं को प्रबंधित करने, आंतरिक शांति और प्रतिरोध क्षमता के लिए अपनी भूमिका या धर्म को पूरा करने के महत्व को भी बताया गया।

छात्रावास के कमरे होंगे बेहतर

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान सभी छात्रावास के कमरों का रंगरोगन कराने की योजन विवि प्रशासन द्वारा बनाई जा रही है, जिससे कि छुट्टियां खत्म होने पर छात्रावास में रहने वाले छात्रों को उनके कमरे बेहतर स्थिति में मिले। छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विवि प्रशासन द्वारा मंथन किया जा रहा है।

लविवि में बड़े मंगल पर ८९वां भंडारा आयोजित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने बड़े मंगल के अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया। विभाग ने 1936 में पहले बड़े मंगल पर भंडारा लगाने की जो विरासत शुरू की थी उसे वर्तमान में जारी रखते हुए इस बार 89वां भंडारा आयोजित किया। इस दौरान करीब 350 किलो मीठी बूंदी और स्वादिष्ट पूड़ी-सब्जी का वितरण किया गया। भंडारे में 3000 से अधिक लोगों ने प्रसाद का आनंद लिया। भंडारे को कामयाब बनाने के लिए रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत की। रसायन विभाग के अध्यक्ष प्रो.अनिल मिश्रा ने भंडारा स्थल को साफ-सुथरा रखने में नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा किए गए सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि की डॉ. कल्पना सिंह को अंतर्राष्ट्रीय बार्सिलोना सम्मेलन में प्लेनरी वक्ता के रूप में आमंत्रित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग से डॉ. कल्पना सिंह को 24-26 फरवरी, 2025 तक बार्सिलोना, स्पेन में आगामी इंटरनेशनल कनेक्ट ऑन ट्रेडिशनल एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में प्लेनरी वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। स्वास्थ्य और कल्याण पर भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रभाव विषय पर डॉ. कल्पना सिंह की बातचीत, उपचार और कल्याण में भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रभावकारिता की पड़ताल करती है, जो प्राचीन राग चिकित्सा को आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ जोड़ती है। कनेक्ट, वैकल्पिक चिकित्सा चर्चाओं का एक वैश्विक फोरम है। यह निमंत्रण मुख्यधारा की स्वास्थ्य देखभाल में संगीत चिकित्सा जैसी वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालता है। यह कनेक्ट विचारों के एक गतिशील आदान-प्रदान की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जिसमें दुनिया भर के विशेषज्ञ और चिकित्सक समग्र स्वास्थ्य देखभाल के भविष्य को आकार देने के लिए एकजुट होंगे।

मनोवैज्ञानिक कल्याण के लिए गीता के बारे में दी जानकारी

● लविवि के मनोविज्ञान विभाग में यूजीसी नेट कार्यशाला सम्पन्न

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. अर्चना शुक्ला के नेतृत्व में यूजीसी नेट कार्यशाला के छठवें दिन असम डाउन टाउन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम से क्लिनिकल साइकोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, सत्र वक्ता के रूप में शामिल हुए। उनका विषय भगवद गीता, योग (भारतीय परिप्रेक्ष्य में मनोवैज्ञानिक विचार) था। उन्होंने यह कहते हुए अपने सत्र की शुरूआत की कि भगवद गीता मानव मन और व्यवहार के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि देती है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर अर्जुन की दुविधा और नैतिक संघर्ष का उपयोग करते हुए समझाया कि कैसे गीता उद्देश्य और कर्तव्य जैसे सार्वभौमिक संघर्षों को संबोधित करती है। कृष्ण का मार्गदर्शन मन की जटिलताओं को सुलझाने के लिए एक मैनुअल देता है। भारतीय मनोवैज्ञानिक विचार की मूल अवधारणाएं अर्थात आत्मा-ब्रह्म, धर्म, कर्म और मोक्ष भी उन्होंने सत्र में प्रस्तुत किये।

व्याख्यान में आत्म-नियंत्रण, इच्छाओं को प्रबंधित करने, आंतरिक शांति और प्रतिरोधक्षमता के लिए अपनी भूमिका या 'धर्म' को पूरा करने के महत्व को भी बताया गया। अंत में उन्होंने कर्म, भक्ति, ज्ञान और राज योग सहित आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण के लिए गीता के मार्गों के बारे में बात की। ये मार्ग मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक स्थिरता और नैतिक अखंडता प्रदान करते हैं।

प्रोफेसर मधुरिमा प्रधान, पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग और संस्थापक-निदेशक, हैप्पी थिंकिंग लैब, लखनऊ विश्वविद्यालय ने दिन का दूसरा व्याख्यान भारतीय मनोविज्ञान प्रतिमान और उसके निहितार्थ विषय पर दिया। उन्होंने भारतीय मनोविज्ञान की विशेषताओं और शिक्षा, स्वास्थ्य, पारस्परिक संबंधों और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर इसके प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि जब वैज्ञानिक अनुसंधान के नतीजे प्रचलित विचारधाराओं को चुनौती देते हैं, तो प्रतिमान बदल जाते हैं और ये परिवर्तन विकास के लिए कैसे आवश्यक हैं। मनोविज्ञान में एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने बताया कि भारतीय मनोविज्ञान व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याओं का समाधान कैसे कर सकता है। आत्म-जागरूकता और कल्याण पर इसका ध्यान पश्चिमी मनोविज्ञान की पेशकश से कहीं आगे जाता है, जिसमें जीवन में अर्थ ढूंढना और पीड़ा से निपटना शामिल है।

भारतीय मनोविज्ञान उन प्रचलित अनुत्तरित प्रश्नों जैसे मैं कौन हूं? का उत्तर देता प्रतीत होता है। इस संपूर्ण ब्रह्मांड से मेरा क्या संबंध है? कोई व्यक्ति अपने कष्टों और दुखों का सामना करके सकारात्मक, आनंदमय और शांतिपूर्ण जीवन कैसे जी सकता है? मन, मस्तिष्क और चेतना के बीच अंतर को समझकर, व्यक्ति अधिक जागरूकता और संतुष्टि प्राप्त कर सकते हैं। प्रो. प्रधान ने ऐसे प्रश्नों पर प्रकाश डालकर और दैनिक जीवन में भारतीय मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने सत्र का समापन किया।

सत्र की शुरूआत मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. हंसिका सिंघल द्वारा दोनों वक्ताओं के परिचय के साथ हुई थी। इसी प्रकार मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मेघा सिंह की ओर से आभार व्यक्त कर सत्र का समापन किया गया। उन्होंने कार्यशाला में वक्ताओं के योगदान के प्रतीक के रूप में उन्हें प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए।

LOKSATYA PAGE 3

डॉ. कल्पना सिंह को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता आमंत्रण

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग से डॉ. कल्पना सिंह को 24-26 फरवरी, 2025 तक बार्सिलोना, स्पेन में आगामी इंटरनेशनल कनेक्ट ऑन ट्रेडिशनल एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में प्लेनरी वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।स्वास्थ्य और कल्याण पर भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रभाव विषय पर डॉ. कल्पना सिंह की बातचीत, उपचार और कल्याण में भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रभावकारिता की पड़ताल करती है, जो प्राचीन राग चिकित्सा को आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ जोड़ती है।कनेक्ट, वैकल्पिक चिकित्सा चर्चाओं का एक वैश्विक फोरम है।